PM मोदी की खास अपील हथकरघा दिवस पर बुनकरों को बड़ा सम्मान!

विषय सूची (Table of Contents):

>> राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पीएम मोदी ने देश के बुनकरों को किया नमन...
>> सृजनात्मकता और समर्पण का सम्मान...
>> पीएम मोदी की खास अपील सोशल मीडिया पर शेयर करें NationalHandloomDay और GRWM व...
>> Get Ready With Me (GRWM) ट्रेंड का समर्थन...
>> स्थानीय कारीगरों के लिए बढ़ाएं जागरूकता...
>> आत्मनिर्भर भारत का मुख्य स्तंभ ग्रामीण सशक्तिकरण और महिला विकास में हथकरघा की भ...
>> महिला सशक्तिकरण का केंद्र...
>> ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती...
>> राष्ट्रपति भवन में विशेष समारोह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगी राष्ट्रपति द्...
>> प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति...
>> मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी रहेंगे मौजूद...
>> 22 उत्कृष्ट बुनकरों का सम्मान प्रदान किए जाएंगे संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा...
>> पुरस्कारों का विवरण...
>> सम्मानित बुनकरों का परिवार सहित स्वागत...
>> हथकरघा विरासत को नई पहचान 4 विशेष डाक टिकट और महत्वपूर्ण पुस्तकों का होगा विमोच...
>> 4 यादगार डाक टिकट जारी होंगे...
>> दो महत्वपूर्ण पुस्तकों का अनावरण...
>> भारतीय कला का संरक्षण पारंपरिक टेक्सटाइल सेक्टर और कारीगरों के उत्थान का सरकारी...
>> डिजिटल और ई-कॉमर्स एकीकरण...
>> नवीनतम योजनाएं और वित्तीय सहायता...
>> निष्कर्ष...
>> जनता के सवाल (FAQs)...

भारत की सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक कारीगरी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ हथकरघा उद्योग को सम्मान देने के लिए देशभर मेंराष्ट्रीय हथकरघा दिवस (National Handloom Day)बेहद उत्साह और गर्व के साथ मनाया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के महान बुनकरों और कारीगरों के अद्वितीय योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि हथकरघा क्षेत्र केवल वस्त्र निर्माण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण भारत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को नई दिशा देने वाला सबसे सशक्त जरिया है। सरकार इस पारंपरिक उद्योग को आधुनिक बाजार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयासरत है।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस: पीएम मोदी ने देश के बुनकरों को किया न

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर एक विशेष संदेश साझा किया। उन्होंने सदियों से चली आ रही भारतीय बुनाई कला को जीवित रखने वाले कारीगरों की पीढ़ियों को श्रद्धांजलि दी और उनके परिश्रम की सराहना की।

सृजनात्मकता और समर्पण का सम्मान

पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा कि भारत की हथकरघा विरासत जीवंत और समृद्ध है। हमारे बुनकरों की कलात्मकता, समर्पण और नवाचार ने वैश्विक स्तर पर भारत को एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। पीढ़ियों से इस कला को सहेजने वाले परिवारों का योगदान अमूल्य है।

यह भी पढ़ें:चीन पर भारत का कड़ा प्रहार: J K और लद्दाख पर MEA की दोटूक

पीएम मोदी की खास अपील: सोशल मीडिया पर शेयर करें NationalHan

प्रधानमंत्री ने देश के सभी नागरिकों, विशेषकर युवाओं से अपील की है कि वे भारतीय हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल अभियानों से जुड़ें। उन्होंने सोशल मीडिया पर स्वदेशी कपड़ों को फ्लॉन्ट करने और बुनकरों का मनोबल बढ़ाने का आह्वान किया।

Get Ready With Me (GRWM) ट्रेंड का समर्थन

पीएम मोदी ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे NationalHandloomDayहैशटैग का उपयोग करते हुए अपने पसंदीदा हथकरघा वस्त्रों में तस्वीरें और Get Ready With Me (GRWM) वीडियो साझा करें। इस पहल का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी के बीच पारंपरिक वस्त्रों के प्रति रुचि पैदा करना है।

स्थानीय कारीगरों के लिए बढ़ाएं जागरूकता

>> डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग:हस्तनिर्मित साड़ियों, कुर्ते और अन्य परिधानों की रील्स और वीडियो शेयर करें।

>> स्थानीय उत्पादों की खरीदारी: वोकल फॉर लोकल मंत्र को अपनाकर स्थानीय कारीगरों से सीधे सामान खरीदें।

>> जागरूकता में वृद्धि हस्तशिल्प और हथकरघा के सांस्कृतिक महत्व को दुनिया के सामने लाएं।

आत्मनिर्भर भारत का मुख्य स्तंभ: ग्रामीण सशक्तिकरण और महिला व

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में रेखांकित किया कि हथकरघा क्षेत्रआत्मनिर्भर भारत (Self-Reliant India)के सपने को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह उद्योग कृषि के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार देने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है।

महिला सशक्तिकरण का केंद्र

हथकरघा उद्योग में कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा महिलाएं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने और उनके नेतृत्व में विकास को बढ़ावा देने में इस क्षेत्र का योगदान अभूतपूर्व रहा है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती

हथकरघा क्लस्टर देश के दूर-दराज के गांवों में आय के अवसर पैदा करते हैं। केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से बुनकरों को आधुनिक उपकरण, कच्चा माल और डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर सुविधा प्रदान की जा रही है, जिसकाStatus Checkऔर विवरण आधिकारिक पोर्टल पर देखा जा सकता है।

राष्ट्रपति भवन में विशेष समारोह: मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम कपड़ा मंत्रालय (Ministry of Textiles) द्वारा नई दिल्ली स्थितिराष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (RBCC)में 12वें संस्करण के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति

इस भव्य समारोह की मुख्य अतिथि भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू होंगी। कार्यक्रम में देश के सांस्कृतिक और आर्थिक परिदृश्य में बुनकर समुदाय के अमूल्य योगदान को सम्मानित किया जाएगा।

मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी रहेंगे मौजूद

समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह करेंगे। इस अवसर पर कपड़ा राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा, कपड़ा सचिव नीलम शमी राव और हथकरघा विकास आयुक्त डॉ. एम. बीना सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि और दिग्गज हस्तियां मौजूद रहेंगी।

यह भी पढ़ें:ट्रंप की चाल: भारत को तेल और पाकिस्तान द्वीप प्लान का सच!

22 उत्कृष्ट बुनकरों का सम्मान: प्रदान किए जाएंगे संत कबीर

समारोह का सबसे मुख्य आकर्षण देश के उत्कृष्ट बुनकरों को प्रदान किए जाने वाले राष्ट्रीय पुरस्कार होंगे। वर्ष 2025 के लिए उत्कृष्ट बुनाई, तकनीकी नवाचार और पारंपरिक तकनीकों को संरक्षित करने के लिए कुल 22 बुनकरों का चयन किया गया है।

पुरस्कारों का विवरण

>> संत कबीर हथकरघा पुरस्कार:3 प्रख्यात और वरिष्ठ बुनकरों को उनकी असाधारण कलाकृति के लिए प्रदान किया जाएगा।

>> राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार:19 प्रतिभाशाली कारीगरों को उनकी उत्कृष्ट कारीगरी और डिजाइनिंग के लिए दिया जाएगा।

सम्मानित बुनकरों का परिवार सहित स्वागत

पुरस्कार विजेताओं की पूरी List 2026 पोर्टल पर जारी की गई है। इन कारीगरों को उनके परिवारजनों के साथ समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है ताकि उनकी कला यात्रा और कड़ी मेहनत को सम्मान दिया जा सके।

हथकरघा विरासत को नई पहचान: 4 विशेष डाक टिकट और महत्वपूर्ण पु

भारतीय हथकरघा की विविध कलात्मक परंपराओं को सहेजने के लिए इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण अकादमिक और डाक पहलों का शुभारंभ किया जाएगा।

4 यादगार डाक टिकट जारी होंगे

भारत की अलग-अलग बुनाई शैलियों और ऐतिहासिक धरोहर को दर्शाते हुए 4 विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किए जाएंगे। ये डाक टिकट वैश्विक स्तर पर भारतीय बुनाई की पहचान को मजबूत करेंगे।

दो महत्वपूर्ण पुस्तकों का अनावरण

कार्यक्रम के दौरान कपड़ा मंत्रालय द्वारा दो नई पुस्तकों का अनावरण किया जाएगा, जिनका आधिकारिकPDFसंस्करण भी शोधकर्ताओं और उत्साही लोगों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाएगा:

>> Earth. Root. Thread - Aal Dyed Handloom Textiles of Central India:यह पुस्तक मध्य भारत की प्राकृतिक आल डाई तकनीक पर आधारित प्रामाणिक दस्तावेज है।

>> Handloom Awards Book 2025:इसमें सम्मानित बुनकरों की जीवनी और उनकी पुरस्कृत कलाकृतियों की विस्तृत जानकारी शामिल है।

भारतीय कला का संरक्षण: पारंपरिक टेक्सटाइल सेक्टर और कारीगरों

केंद्र सरकार हथकरघा उद्योग को आधुनिक फैशन और वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। बुनकरों को बुनियादी ढांचे से लेकर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म तक पहुंच प्रदान की जा रही है।

डिजिटल और ई-कॉमर्स एकीकरण

सरकार GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) पोर्टल के माध्यम से बुनकरों को सीधे सरकारी विभागों को अपने उत्पाद बेचने का अवसर दे रही है। इसके लिए कारीगर घर बैठे Apply Online कर सकते हैं और अपने व्यापार का विस्तार कर सकते हैं।

यह भी पढ़ें:करिना दुकान में टॉफी के साथ बिक रहा था गांजा और बीयर, पुलिस का छापा!

नवीनतम योजनाएं और वित्तीय सहायता

मुद्रा योजना, बुनकर मुद्रा योजना और हथकरघा संवर्धन योजना के तहत कारीगरों को कम ब्याज दरों पर ऋण और सब्सिडी दी जा रही है। Latest Update के अनुसार, विभिन्न हथकरघा क्लस्टरों में कॉमन फैसिलिटी सेंटर (CFC) स्थापित किए जा रहे हैं।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक आत्मा और हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का एक महाअभियान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश और कपड़ा मंत्रालय की पहलों से यह स्पष्ट है कि हथकरघा क्षेत्र 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने में एक धुरी की तरह काम कर रहा है। जब हम स्वदेशी वस्त्र अपनाते हैं, तो हम सीधे तौर पर देश के मेहनती बुनकरों के परिवारों को समृद्ध बनाते हैं।

जनता के सवाल (FAQs)

भारत में हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाता है। इसी दिन 1905 में स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई थी, जिसका उद्देश्य स्वदेशी वस्त्रों और उद्योगों को बढ़ावा देना था।

12वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (RBCC) में आयोजित किया जा रहा है, जिसकी मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हैं।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से 'NationalHandloomDay' हैशटैग का उपयोग करके अपने पसंदीदा हथकरघा उत्पादों और 'Get Ready With Me' (GRWM) वीडियो साझा करने की अपील की है ताकि बुनकरों का हौसला बढ़े।

वर्ष 2025 के लिए कुल 22 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जिनमें 3 संत कबीर हथकरघा पुरस्कार और 19 राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार शामिल हैं।

समारोह में दो प्रमुख पुस्तकें- 'Earth. Root. Thread - Aal Dyed Handloom Textiles of Central India' और 'Handloom Awards Book 2025' का विमोचन किया जा रहा है।

हथकरघा उद्योग में कार्यरत कार्यबल का एक बड़ा प्रतिशत महिलाएं हैं। यह क्षेत्र उन्हें घर बैठे या स्थानीय स्तर पर सम्मानजनक रोजगार और वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करता है।

बुनकर कपड़ा मंत्रालय के आधिकारिक विकास आयुक्त (हथकरघा) पोर्टल या GeM पोर्टल पर जाकर योजनाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं और अपनी आवेदन स्थिति (Status Check) देख सकते हैं।